

पशुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य (Important Facts relating to Live Stock)

- ◆ परीरक्षित सूखे चारे को क्या कहते हैं- है (Hey) बरसीम
- ◆ 'हे' के लिए सबसे उपयुक्त फसल है- 15-20 प्रतिशत कास्टिंग
- ◆ 'हे' में नमी की मात्रा कितनी होती है- 15-20 प्रतिशत सूअर
- ◆ बकरी तथा भेड़ में बधियाकरण का उद्देश्य- माँस उत्पादन गधे की
- ◆ ऑपरेशन द्वारा बधियाकरण किया जाता है- सूअर में गरिमा
- ◆ परीरक्षित हरे चारे को क्या कहते हैं- साईलेज गरिमा
- ◆ राजस्थान में पशु सीमन बैंक स्थित है- बस्सी (जयपुर) सर्विंग
- ◆ भारत में 'ऑपरेशन फ्लड योजना' शुरू की गयी थी- 1970 में (वर्गीज कुरियन द्वारा) 151 दिन
- ◆ साईलेज के लिए उपयुक्त फसल है- ज्वार बीफ
- ◆ 'हे' में शुष्क पदार्थ की मात्रा कितनी होती है- 80-85% बफन
- ◆ साईलेज में नमी की मात्रा होती है- 60-70% मटन
- ◆ साईलेज में शुष्क पदार्थ की मात्रा होती है- 30-40% चेवन
- ◆ साईलेज बनाने के स्थान को कहते हैं- साइलो पोर्क
- ◆ साईलेज बनाने हेतु सबसे उपयुक्त साइलो है- बुर्ज साइलो चिकन
- ◆ उत्तम साईलेज का pH मान होता है- 3-4 प्रायः
- ◆ पशुओं में सींग हटाने को क्या कहते हैं- डी हॉर्निंग (1) बीकानेर, (2) जोधपुर, (3) बाड़मेर, (4) उदयपुर
- ◆ बड़े उम्र के पशुओं के सींग किसके द्वारा काटे जाते हैं- आरी द्वारा 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक गायें किस जिले में पाई जाती हैं-
- ◆ ऊटनी का ऋतुकाल होता है- 1 से 7 दिन (1) जयपुर, (2) अलवर, (3) भरतपुर, (4) उदयपुर
- ◆ ऊटनी में दुर्घ उत्पादन काल होता है- 10 से 14 माह 20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक बकरियाँ किस जिले में पाई जाती हैं-
- ◆ पशुओं में डी-हॉर्निंग किस रसायन द्वारा किया जाता है- KOH (कास्टिक सोडा) (1) बाड़मेर, (2) जोधपुर, (3) उदयपुर
- ◆ रासायनिक विधि से सींग काटने के लिए पशु की आयु होनी चाहिए- 7-15 दिन बाँसवाड़ा
- ◆ पशुओं में कर्तन दाँतों की संख्या होती है- 8 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक मुर्गियाँ किस जिले में पाई जाती हैं- (1) अजमेर, (2) बाँसवाड़ा
- ◆ गाय, भैंस व बकरी में स्थायी दाँतों की संख्या होती है- 32 20वीं पशुगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक भेड़ किस जिले में पाई जाती हैं-
- ◆ साधारणतः पशु कितने घण्टे जुगाली करते हैं- 8 घण्टे (1) बाड़मेर, (2) जैसलमेर, (3) पाली, (4) बीकानेर
- ◆ पशुओं में दूध निकालने की सबसे उपयुक्त विधि है- पूर्ण हस्त दोहन विधि 20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक ऊट किस जिले में पाये जाते हैं-
- ◆ दुधशाला में किस प्रकार के बर्तन प्रयोग में लाये जाते हैं- स्टेनलेस स्टील (1) जैसलमेर, (2) बीकानेर, (3) बाड़मेर, (4) चूरू
- ◆ पशुओं को बधियाकरण करने हेतु प्रयुक्त उपकरण- बर्डीजोकास्ट्रेटर 20वीं पशुगणना के अनुसार सबसे कम बकरियाँ व गायें किस जिले में पाई जाती हैं- धौलपुर
- ◆ गाय व भैंस के सींग काटने की उपयुक्त विधि- रासायनिक विधि ललाट पर उभार गाय की किस नस्ल में होता है- हरियाणा

- ♦ गाय व भैंस के समूह को कहा जाता है- हड्डी
- ♦ गाय की किस नस्ल के दूध में लेक्टोज की मात्रा सर्वाधिक होती है- साहीबाल (5%)
- ♦ किस भैंस के सींग जलेबी के आकार के होते हैं- मुर्गा
- ♦ भैंस की कौनसी नस्ल दूध व वसा के लिए उपयुक्त है- मुर्गा
- ♦ किस भैंस का रंग ताँबे जैसा होता है- भदावरी
- ♦ भैंस की कौनसी नस्ल के सींग दराँती के आकार के होते हैं- सूरती
- ♦ घी के उत्पादन के लिए भैंस की सबसे उपयुक्त नस्ल- भदावरी
- ♦ भेड़ का जुलॉजिकल नाम क्या है- ऑविस ऐरीस
- ♦ सबसे उत्तम किस्म की ऊन वाली भेड़ की नस्ल- मेरीनो
- ♦ 'राजस्थान की मेरीनो' किसे कहते हैं- चोकला
- ♦ भेड़ की चोकला नस्ल राजस्थान के किस जिले में ज्यादा पाई जाती है- शेखावाटी क्षेत्र (सीकर, झुंझुनूं, चूरू)
- ♦ बकरी की उत्तम नस्ल है- जमुनापारी
- ♦ बकरी की बीटल नस्ल का उत्पत्ति स्थान है- गुरदासपुर (पंजाब)
- ♦ बकरी की किस नस्ल के नर पशु में दाढ़ी पायी जाती है- बीटल

- ♦ 'दूध की रानी' बकरी की कौनसी नस्ल को कहते हैं- सानेन
 - ♦ 'गरीब की गाय' किसे कहते हैं- बकरी को
 - ♦ शहरी बकरी (सिटी गोट) किसे कहते हैं- बारबरी को
 - ♦ एक बार में दो बच्चे देने वाली बकरी की नस्ल है- बारबरी
 - ♦ घर में पालने के लिए बकरी की उपयुक्त नस्ल है- बारबरी
 - ♦ मुर्गा की किस नस्ल का रंग व माँस काला होता है-
- कड़कनाथ
रानीखेत
- ♦ मुर्गा में होने वाला मुख्य रोग है- वायरस
 - ♦ गाय व भैंस में खुरपका-मुँहपका रोग (FMD) किसके कारण होता है-
 - ♦ पशुओं में मिल्क फीबर किस तत्व की कमी के कारण होता है- कैल्सियम
 - ♦ पशुओं में आयरन की कमी से होने वाला रोग है- थ्रैनला
 - ♦ थ्रैनला रोग पशुओं में किसके कारण होता है- बैक्टीरिया
 - ♦ पशु के नाक में सीटी का बजना किस रोग का प्रमुख लक्षण है- गलघोंदू
 - ♦ मुर्गा में रानीखेत रोग किसके कारण होता है- वायरस
 - ♦ दूध में सफेद रंग का कारण है-
 - ♦ दूध का पीला रंग किसके कारण होता है-
- केसीन
कैरोटिन

- ♦ दूध किस पोषक तत्व का प्रमुख स्रोत है- कैल्सियम व फास्फोरस का
- ♦ दूध में कौनसा पोषक तत्व नहीं पाया जाता है- लोहा
- ♦ ताजे दूध में अम्लता कितनी प्रतिशत होती है- 0.14-0.18%
- ♦ दूध की अम्लता कितनी प्रतिशत होती है- 0.32%
- ♦ मनुष्य को प्रतिदिन कितने दूध की आवश्यकता होती है- 280 मिली. ग्राम
- ♦ दूध में सबसे अधिक कौनसा विटामिन पाया जाता है- विटामिन-A
- ♦ बछड़े को खीस उनके शरीर के भार का कितना भाग पिलाना चाहिए- 1/10 भाग
- ♦ दही जमने के लिए उत्तरदायी है- बैक्टीरिया
- ♦ सर्दी में दही कितने घंटे में जमता है- 10-12 घंटे
- ♦ गर्मी में दही कितने घंटे में जमता है- 6-8 घंटे
- ♦ सर्दी में दही जमने के लिए दूध में जामन की मात्रा होनी चाहिए- 2-3%
- ♦ गर्मी में दही जमने के लिए दूध में जामन की मात्रा होनी चाहिए- 1-2%
- ♦ घी का पीला रंग किस कारण से होता है- कैरोटिन के कारण
- ♦ घी में वसा की मात्रा कितने प्रतिशत होती है- 99%
- ♦ दूध की शुद्धता की जाँच किससे की जाती है- लैक्टोमीटर
- ♦ वर्तमान में विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन वाला देश है- भारत
- ♦ राजस्थान में सबसे अधिक दूध उत्पादक जिला है- जयपुर
- ♦ दुग्धशाला में बर्तनों की सफाई में सर्वाधिक शोधक काम में लेते हैं- क्षारीय
- ♦ दूध में वसा किस उपकरण से मापते हैं- ब्युटारोमीटर से
- ♦ दूध का आपेक्षित घनत्व कितना होता है- 1.028-1.032
- ♦ खीस का आपेक्षिक घनत्व कितना होता है- 1.04-1.08
- ♦ वसा का आपेक्षित घनत्व कितना होता है- 0.93
- ♦ दूध का मूल्य किसके आधार पर निर्धारित किया जाता है- वसा के आधार पर
- ♦ दूध में कौनसा अवयव स्थिर रहता है- प्रोटीन
- ♦ एक ग्राम वसा में कितनी कैलोरी ऊर्जा मिलती है- 9.3 कैलोरी
- ♦ एक ग्राम प्रोटीन में कितनी कैलोरी ऊर्जा मिलती है- 4.0 कैलोरी

- ♦ दूध की किस प्रोटीन का पाचन नहीं होता-
- ♦ दूध में प्रोटीन किस रूप में पाई जाती है-

पायस (Colloidal)

- ♦ दूध में वसा किस रूप में पायी जाती है- निलम्बन के रूप में
- ♦ मेवाती नस्ल की गाय किस जिले में पायी जाती है-

अलवर, भरतपुर, कोटपूतली-बहरोड़ व
खैरथल-तिजारा

- ♦ राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में किस नस्ल की भेड़ पाली जाती है-
- ♦ राष्ट्रीय भेड़ व ऊन अनुसंधान संस्थान स्थित है-

अविकानगर, मालपुरा (टोंक), राजस्थान

- ♦ राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान स्थित है-

जोहड़बीड़, बीकानेर (राजस्थान)

- ♦ थारपारकर गाय का नस्ल सुधार प्रजनन केन्द्र स्थित है-
- ♦ राजस्थान के पुष्कर पशु मेले में मुख्यतः किस नस्ल की गाय आती है-
- ♦ गिर नस्ल राजस्थान के किस क्षेत्र में पायी जाती है-

अजमेर, भीलवाड़ा

- ♦ बीकानेर भेड़ फॉर्म संबंधित है- रूसी, कराकुल नस्ल से
- ♦ बछड़ों में बधियाकरण की अधिकतम उम्र है- 1 वर्ष
- ♦ पालतू पशुओं में किसके दूध में सर्वाधिक विटामिन C पाया जाता है-
- ♦ पशुओं को चारा खिलाने का सही एवं वैज्ञानिक तरीका है-

नांद (Mangre) में चारा खिलाना

- ♦ सबसे अधिक गर्भी सहन करने वाला पशु है-
- ♦ जर्सी गाय के दूध में कितने प्रतिशत वसा होती है-

4.5 प्रतिशत

- ♦ राजस्थान की अर्थव्यवस्था में सबसे प्रमुख पशु कौनसा है-
- ♦ भेड़ विश्व में भेड़ों की लगभग कितनी नस्लें पाई जाती हैं-

200

- ♦ व्हाइट लैगहार्न नस्ल की मुर्गी का मूल स्थान है- इटली
- ♦ जखराना किसकी नस्ल है-
- ♦ पिछली टाँगों पर लम्बे घने बाल बकरी की किस नस्ल की पहचान है-
- ♦ रामपुर बुशायर किसकी नस्ल है-
- ♦ भेड़ की नस्ल, जो अधिक फुर्तीली एवं लम्बा सफर तय करने वाली है-

भेड़ की

मारवाड़ी

- ♦ मुर्गी की किस नस्ल में अण्डे का रंग भूरा अथवा गहरा भूरा होता है-

रोड आइलैण्ड रेड

- ♦ व्हाइट लैगहार्न नस्ल की मुर्गीयाँ अण्डे देने प्रारम्भ कर देती हैं-

6 माह की आयु में

- ♦ केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है-

इज्जत नगर (UP)

- ♦ अण्डे से चूजे में फैलने वाली बीकारी कौनसी है-

ल्यूकोसिस

- ♦ अण्डे की जर्दी को मध्य में स्थिर रखने का कार्य कौन करता है-

श्वेतक रजतू या चैलजा

- ♦ ब्रूडिंग में कितनी आयु के चूजों का पालन किया जाता है-

1 दिन से 4 सप्ताह

- ♦ जो मुर्गियाँ माँस उत्पादन हेतु पाली जाती हैं, उन्हें कहते हैं-

ब्रॉयलर्स

- ♦ पक्षियों का चोंच मारकर एक दूसरे को घायल करने की क्रिया कहलाती है-

केनाबेलिज्म

- ♦ स्टार्टर राशन कितनी आयु के पक्षियों को दिया जाता है-

1 दिन से 8 सप्ताह

- ♦ मुर्गी आवास की विस्तृत प्रणाली में प्रति पक्षी स्थान रखा जाता है-

1 वर्ग फीट

- ♦ कैपोनाइजेशन क्या है-

मुर्गे की नसबंदी

- ♦ डीबीकिंग मुर्गियों में किस बीमारी की रोकथाम हेतु करते हैं-

केनाबेलिज्म

- ♦ कौनसा रोग मुर्गियों के जीवनकाल में एक ही बार होता है-

चेचक (फाउल पॉक्स) रोग

- ♦ लसोटा नामक टीका कौनसी बीमारी की रोकथाम में काम आता है-

रानी खेत रोग में

- ♦ रिंडरपेस्ट या पशु माता कौनसे पशु में अधिक फैलती है-

गाय-भैंस में

- ♦ गलघोंटू के लिए टीका है-

- ♦ पशुओं की मालिश किस तेल से करते हैं-

सरसों, तिल, तारपीन का तेल

- ♦ राजस्थान में किस पशु/पक्षी में सर्वाधिक पशु बीमारियाँ फैलती हैं-

मुर्गी में

- ♦ नीला थोथा क्या काम आता है- परजीवी नष्ट करने के लिए

- ♦ पशु को एनीमा दिया जाता है- रेक्टम द्वारा

- ♦ अधिक हरा चारा खाने से पशुओं में कौनसा रोग फैलता है-

आफरा

- ♦ पशुओं के घावों को धोने के काम में क्या प्रयोग करते हैं-

लाल दवा (पोटेशियम परमैंगनेट)

- ♦ पशुओं में लांगड़ी रोग का कारण है-
वलॉस्ट्रीडियम शोबिआर्ड
- ♦ अधिक खाना खाने से भेड़ों में कौनसा रोग होता है-
फड़किया
- ♦ गाय तथा भैंस में फैलने वाली प्रमुख मेटाबोलिक बीमारी है-
मिल्क फीवर
- ♦ दूध में औसतन कितने प्रतिशत लेक्टोज होता है-
4-5%
- ♦ भारत में कुल दुग्ध उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसका है-
भैंस का (45-48 प्रतिशत)
- ♦ दूध में औसतन वसा रहित ठोस पदार्थ (SNF)- 8.5%
- ♦ राजस्थान में दूध का सर्वाधिक उपयोग होता है- घी बनाने में
- ♦ दूध की शर्करा को कहते हैं- लेक्टोज
- ♦ क्रीम का आपेक्षिक घनत्व होता है- 0.93
- ♦ खीस में जल की मात्रा होती है- 75 प्रतिशत
- ♦ वर्तमान में भारत में सबसे अधिक दूध उत्पादन कौनसे राज्य में होता है- राजस्थान (15%), उत्तरप्रदेश (14.93%)
- ♦ COB परीक्षण किसकी जाँच के लिए करते हैं-
अम्लीयता हेतु
- ♦ बैक्टिरियन ऊँट में कूबड़ होते हैं- 2
- ♦ ड्रोमेडियरी ऊँट में कूबड़ होते हैं- 1
- ♦ गाय तथा भैंस के संकरण से उत्पन्न पशु को कहते हैं-
कैटलो (Cattalo)
- ♦ नर गधा तथा घोड़ी के संकरण से उत्पन्न पशु को कहते हैं-
खच्चर (Mule)
- ♦ घोड़े तथा गधी के संकरण से उत्पन्न पशु को कहते हैं-
हिन्नी (Hinney)
- ♦ दूध को 4°C पर ठण्डा करने को कहते हैं- अवशीतन
- ♦ दूध का गुण धर्म- उभयधर्मी
- ♦ घी में एगमार्क- 1938 में प्रारंभ
- ♦ गो पशु में दूध नलिकाएँ होती हैं- 9 से 13
- ♦ संकरण से तैयार की गयी नस्ल है-
 1. खच्चर- गधा (Jac Ass) × घोड़ी (Mare)
 2. जेबोइड- जेब्रा (Zebra) × घोड़ा (Horse)
 3. कैटलो- यूरोपियन गाय × अमेरिकन भैंसा (बोस बीसन)
 4. हिन्नी- घोड़ा (Stallion) × गधी (Jennet)
- ♦ ऐसे अम्लीय धावन पदार्थ जो दूध के बर्तनों एवं संयंत्रों को धोने के काम लिये जाते हैं-टारटरिक अम्ल, ग्लूकोनिक अम्ल, फॉस्फोरिक अम्ल

- ♦ एन्टीबायोटिक्स या प्रति जैविक औषधि है-
पेनीसीलिन, स्ट्रोमाइसीन, व्लोरोमाइसैटिन
- ♦ किस धावन पदार्थ के दाहक होने के कारण डेयरी के बर्तनों को हाथ से धोने के कारण काम में नहीं लाते हैं, केवल काँच की बोतलों एवं यंत्रों को धोते हैं- कास्टिक सोडा (दाहक सोडा)
- ♦ मुर्गीपालन व्यवसाय के आधार पर कितने व्यय आहार पर होता है- 60-70 प्रतिशत
- ♦ ब्रायलर्स को लगभग कितनी आयु में बेच देना चाहिए- 6-8 सप्ताह
- ♦ क्रीम से घी बनाने में क्रीम को कितने तापक्रम पर गर्म करके घी तैयार किया जाता है- 110-115 डिग्री सेन्टीग्रेड
- ♦ कफरोधी औषधि है- अफीम बेलाडोना
- ♦ मक्खन से घी बनाने की विधि में मक्खन को कितना गर्म करते हैं- 110-120 डिग्री सेन्टीग्रेड
- ♦ परजीवियों जैसे- जुँए, किलनियाँ आदि को नष्ट करने के लिये फिनाइल के कितने प्रतिशत घोल का उपयोग किया जाता है- 1-2 प्रतिशत
- ♦ कार्बोक्सिलिक एसिड का उपयोग है-
सांप या कुत्ते द्वारा काटे गये स्थान को जलाने हेतु, घाव पर शुद्ध रूप से लगाने हेतु, परजीवियों जैसे- पिस्सू, क्लीनियों को मारने एवं खुजली रोग में
- ♦ एन्टीसेप्टिक या जीवाणुरोधक है- बोरिक एसिड, डिटॉल, आयोडीन, लाल दंवा।
- ♦ फिनाइल का उपयोग किया जाता है- रोगाणुनाशक के रूप में, गंधहारक के रूप में, पैरासिटामाइड्स (परजीवी नाशक) के रूप में
- ♦ कत्थई रंग का विशेष गंध वाला तरल औषधीय पदार्थ जिसे पानी में घोलने पर सफेद रंग का हो जाता है- फिनाइल
- ♦ वह दुग्ध पदार्थ जिसे गर्म दूध को अम्ल द्वारा फाड़कर तैयार किया जाता है। दूध को फाड़ने के साइट्रिक अम्ल या लेकिटक अम्ल या फलों का रस काम में लाया जाता है- छैना, पनीर फिटकरी उपयोगी है-
- ♦ रक्त स्तम्भक के रूप में, जीवाणुरोधक के रूप में
- ♦ सामान्यतया गाय के दूध व भैंस के दूध में क्रमशः कितने प्रतिशत छैना प्राप्त होता है- 14 व 20 प्रतिशत
- ♦ छैना या पनीर बनाते समय दूध को कितने तापमान पर फाड़ने की क्रिया की जाती है- 81-82 डिग्री सेल्सियस
- ♦ गाय एवं भैंस के दूध से प्राप्त छैना में वसा क्रमशः होता है- 28.80 व 29.60 प्रतिशत

- गाय भैंस व बकरी में मदकाल के लक्षण कितने दिनों के बाद पुनः प्रकट होते हैं-

19-21 दिन

- मादा पशु को गर्भित कराने का सर्वोत्तम समय है-

मद में आने के 12-18 घण्टे के बीच

- सबसे अधिक देखभाल किस गाय की करनी पड़ती है-

जर्सी गाय की

- मुर्गियों में अण्डे देने की शुरूआत कब होती है-

6 माह की आयु में

- गाय व भैंस का औसतन दूधकाल कितना होता है-

300 दिन का

- शुद्ध घी में वनस्पति तेल का पता लगाते हैं-

निकिल परीक्षण से

- सूखे चारे में शुष्क पदार्थ व नमी की कितनी मात्रा होती है-

85-90% शुष्क पदार्थ व 10-15% नमी

- 'हे' में शुष्क पदार्थ व नमी की कितनी मात्रा होती है-

80-85% शुष्क पदार्थ व 15-20% नमी

- जल मिलाने पर दुग्ध के जमाव बिन्दु पर क्या प्रभाव पड़ता है-

बढ़ जाता है।

- पशुओं में नाथ डालने के लिए किस उपकरण का प्रयोग करते हैं-

बुलानोडरिम

- ऊँट में फैलने वाली प्रमुख बीमारी कौनसी है-

सर्पा

- गिर गाय का औसत दूध उत्पादन- 2500 लीटर/व्यांत

- राठी का मूल उद्गम स्थान है-

बीकानेर, गंगानगरजिले (राजस्थान)

- शरीर का ईंट जैसा रंग किस नस्ल की विशेषता है-

राठी

- गाय की कौनसी नस्ल कोसी नाम से प्रचलित है- मेवाती

- नागौरी गाय का औसत दूध उत्पादन कितना है-

600-900 लीटर/ व्यांत

- तेज भागने व सर्वाई चाल के लिए प्रसिद्ध गाय नस्ल कौनसी है-

नागौरी, कांकरेज

- जर्सी का औसत दूध उत्पादन है- 4500 लीटर/व्यांत

- जर्सी के दूध में वसा की मात्रा होती है- 4.5%

- किस नस्ल की बछिया जल्दी ही युवा हो जाती है-

जर्सी गाय की

- पशुओं की लार में कौनसा एन्जाइम पाया जाता है-

टाइलिन

- पशुओं में चींचड़ी ज्वर रोग का कारक है- प्रोटोजोआ

- व्हाइट लेगहॉर्न का वार्षिक अण्डा उत्पादन है-

260

- रोड आइलेण्ड का वार्षिक अण्डा उत्पादन है- 180 अण्डे

- मांस के लिए मुर्गी की विश्व प्रसिद्ध नस्ल है-

- प्रति ऊँट आवास के लिये कितने वर्गफीट जगह की आवश्यक होती है- 70-100 वर्गफीट

- गाय में गर्भकाल कितने दिन का होता है- 282 दिन (281 से 283

- जिन आषधियों के प्रयोग से दस्त लगते हैं, उन्हें कहते हैं- रेचक

- एन्टीसेप्टिक औषधि का उदाहरण है- फिनाइल, लाल दवा, लाइसोल

- मर्दन तेल कौनसे हैं- तारपीन, सरसों, तिल

- नवजात बछड़ों को पालने की वैज्ञानिक विधि है- विनिः

- दूध को पड़ा रखने पर जो अम्लीयता पैदा होती है वह कहलाने है- विकसित अम्लीयत

- क्षारीय शोधक का उदाहरण है- कास्टिक सोड

- मुर्गी के अण्डे से चूजा निकलने में कितना समय लेता है- 3 सप्ताह (21 दिन)

- पशु प्रतिदिन कितने घण्टे जुगाली करते हैं- 8 घण्टे

- दूध का पास्तुरीकरण करने के लिए 72 डिग्री सेल्सियस पर कितने समय के लिए उबालते हैं- 15-30 सेकण्ड

- बलोढ़ (आफरा) का दूसरा नाम टिम्पेनी है।

- फाउल पोक्स रोग सर्वाधिक 8-12 सप्ताह की मुर्गियों होता है।

- प्रसव के बाद पशुओं में जेर (Placenta) को गिराने हैं अजवाईन का काढ़ा दिया जाता है।

- गर्भर मशीन में वसा परीक्षण हेतु ब्यूटाइरो मीटर में सर्वप्रथम H_2SO_4 (घनत्व 1.825) 10ml, उसके बाद दूध 10.75 ml तथा अन्त में 1 प्रतिशत एमाईल एल्कोहॉल (घनत्व 0.8 प्रतिशत) मिलाया जाता है।

- ऊँटनी के दूध से मधुमेह रोग से बचा जा सकता है।

- मेन्ट्रिनेशन राशन पशु के शरीर के भार के आधार पर दिया जाता है।

- खुली पशुशाला में भैंस को 80-100 फीट जगह की आवश्यकता होती है।

- मुर्गी को विटामिन-ए की प्राप्ति हरे चारे से होती है।

- मुर्गी के आहार में चावल के भूस्से की मात्रा- 20 प्रतिशत मारवाड़ी

♦ एस्प्रीन ज्वर रोधी व संदमक रोधी है।	16-17 माह
♦ चेबू नस्ल बकरी व चेंगू गाय की नस्ल है।	
♦ करन फ्रिज गाय का दूध उत्पादन- 3200 लीटर प्रति व्यांत	
♦ फ्रिजवेग गाय 26 माह की उम्र Puberty में आती है।	
♦ जर्सी गाय 28 माह की उम्र में Puberty में आती है।	
♦ गीर गाय का दूध काल- 296 दिन	
♦ ऊंट पशु के बच्चों में सर्वाधिक मृत्युदर पाई जाती है।	
♦ स्वतंत्रता के बाद पहली पशुगणना- 1951	
♦ 2021-22 में अण्डे उत्पादन में राजस्थान का स्थान- 13वाँ	
♦ माँस उत्पादन में राजस्थान का स्थान- 12वाँ	
♦ वर्तमान में राजस्थान में सवारी के लिए प्रसिद्ध ऊंट-	
गोमट का ऊंट (फलौदी)	
♦ भेड़ की पूगल नस्ल की ऊन होती है- मध्यम प्रकार की	
♦ राजस्थान में भेड़ प्रजनन केन्द्र है- फतेहपुर (सीकर) व उपकेन्द्र बांकलिया (नागौर जिले) में	
♦ प्रताप धन मुर्गी की नई नस्ल है।	
♦ स्कीम्ड मिल्क में SNF - 8.7 प्रतिशत	
♦ भारत के कुल अण्डा उत्पादन में राजस्थान का योगदान- 2.07%	
♦ राजस्थान में प्रतिवर्ष अण्डा उपलब्धता-	
34 अण्डे/प्रति व्यक्ति/वर्ष (2021-22 में)	
♦ जैसलमेरी ऊंट मतवाली चाल चलता है।	
♦ मुर्गियों के बाह्य परजीवी-माइट्स	
♦ रफेज (rougphage) में T.D.N. होना चाहिए- 60%	
♦ मुर्गी आहार में क्रूड फाइबर- 6-8%	
♦ बरसीम में क्रूड प्रोटीन- 17-19%	
♦ ऑक्सीटोक्सीन हामीन पीट्यूट्री ग्रन्थि के पोस्ट्रियर भाग से स्वाक्षित होता है।	
♦ लेयर्स के लिये स्थान की आवश्यकता-2 फीट	
♦ गाय के दूध में कुल ठोस (SNF + Fat) – 13 प्रतिशत	
♦ पानी का आपेक्षिक घनत्व-1	
♦ फुल क्रीम दूध की SNF – 9 प्रतिशत	
♦ गेहूँ के चारे में शुष्क पदार्थ- 90 प्रतिशत	
♦ Calf Starter में T.D.N. – 70-75% एवं DCP (पाच्य क्रूड प्रोटीन)- 20-30%	
♦ नेल्लोर नस्ल को केवल मांस के लिये पाला जाता है।	
♦ गाय में व्यांत अन्तर होना चाहिए-	16-17 माह
♦ कैटल सेड की दिशा उत्तर-दक्षिण होनी चाहिए।	
♦ 1946 में दूध बस्ती की स्थापना हुई-	मुम्बई में
♦ National Livestock Mission 2014 – 2015 में शुरू।	
♦ गौशाला विकास योजना-	1949
♦ भेड़ की मांस नस्ल में गर्भकाल सामान्य भेड़ के गर्भकाल से 10 दिन अधिक होता है।	
♦ रूमन्थी पशुओं का पेट चार भागों बँटा होता है।	
(i) रूमेन-80 प्रतिशत (यह पेट का सबसे बड़ा भाग होता है।)	
(ii) रेटिकुलम-10 प्रतिशत	
(iii) ओमेजस- 5 प्रतिशत (यह ऊंट में अनुपस्थित होता है।)	
(iv) ऐबोमेजस-5 प्रतिशत (यह वास्तविक पेट कहलाता है।)	
♦ डेयरी व पशुपालन विभाग की स्थापना-	1991
♦ पशु बीमा योजना की शुरूआत-	1947
♦ गोपाल कार्यक्रम का प्रारंभ-	1990 – 91
♦ भारत में प्रथम पशुगणना प्रारम्भ की गई-	1919-1920
♦ Delhi Buffalo/City buffalo –	मुर्गा
♦ Mini elephant के नाम से प्रसिद्ध भैंस-	जाफराबादी
♦ सर्वाधिक वसा वाली भैंस की नस्ल है-	भदावरी
♦ विश्व में सर्वाधिक दूध उत्पादन वाली भैंस-	मुर्गा
♦ सर्वाधिक दूध देने वाली गाय- हॉलिस्टीन फ्रीजियन	
♦ मतवाली चाल के लिए प्रसिद्ध ऊंट-	जैसलमेरी
♦ सवाईचाल के लिए प्रसिद्ध गाय-	कांकरेज
♦ धूल की चाल के लिए प्रसिद्ध गाय-	नागौरी
♦ जैसलमेर जिले का स्थान जहाँ के ऊंट विश्व प्रसिद्ध हैं-	नाचना
♦ सवारी की दृष्टि से प्रसिद्ध ऊंट-	गोमठ (फलौदी)
♦ विश्व में सबसे सुन्दर ऊंट की नस्ल-	बीकानेरी
♦ रोमन नाक व मेजेस्टीक नस्ल वाली बकरी-	जमुनापारी
♦ रोमन नाक वाली भेड़ की नस्ल-	जैसलमेरी
♦ अण्डाशय में विकसित ग्राफियन फॉलीकल से अण्डे का निष्क्रमण कहलाता है-	अण्डोत्सर्ग
♦ रूमन्थी पशुओं में यूरिया में पाई जाने वाली N_2 को प्रोटीन में बदलने की क्षमता होती है।	
♦ खेजड़ी व बबूल की फलियों में प्रोटीन की मात्रा-	
	30-50%